

नेपाली नाट्य परम्परा र भीमनिधि तिवारीको सहनशीला सुशीला
नाटकको अध्ययन

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्काय
नेपाली केन्द्रीय विभाग अन्तर्गत स्नातकोत्तर तह द्वितीय वर्षको
दसौँ पत्रको प्रयोजनका लागि
प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी

निर्मला कंडेल

नेपाली केन्द्रीय विभाग

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

२०७०

शोध निर्देशकको मन्तव्य

त्रिभुवनविश्वविद्यालय, मानविकीतथा सामाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीयविभागत्रि.वि. कीर्तिपुरमा नेपाली स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षमाअध्ययनरत छात्रानिर्मलाकँडेलले नेपाली नाट्य परम्परा र भीम निधि तिवारीको सहनशीला सुशीला नाटकको अध्ययन शीर्षकको प्रस्तुत शोधपत्र मेरो निर्देशनमा तयार पार्नु भएको हो । परिश्रमपूर्वक तयार गरिएको यस शोधकार्यबाट म सन्तुष्ट छु र यसको आवश्यक मूल्याङ्कनका निम्ति शोध मूल्याङ्कन समिति समक्ष सिफारिस गर्दछु ।

उपप्राध्यापक राजुमान डड्गोल

नेपाली केन्द्रीयविभाग

त्रि.वि. कीर्तिपुर, काठमाडौं

मिति: २०७०/५/१४

त्रिभुवनविश्वविद्यालय
नेपाली केन्द्रीयविभाग
विश्वविद्यालय क्याम्पस
कीर्तिपुर, काठमाडौं

स्वीकृतिपत्र

त्रिभुवनविश्वविद्यालय, नेपाली केन्द्रीयविभाग, विश्वविद्यालयक्याम्पस कीर्तिपुरकी छात्रानिर्मलाकंडेलले स्नातकोत्तर तहमा नेपालीविषयको दसौं पत्रको प्रयोजनकालागि प्रस्तुतगर्नुभएको सहनशीला सुशीला नाटकको कृतिपरक अध्ययन शीर्षकको शोधपत्र स्वीकृत गरिएको छ ।

शोधपत्र मूल्याङ्कन समिति

१. विभागीयप्रमुख,
प्रा.डा. देवी प्रसादगौतम
२. शोधनिर्देशक,
उपप्राध्यापक राजुमान डड्गोल
३. बाह्य परीक्षक
केशव प्रसाद सुवेदी

मिति:- २०७०/५/

कृतज्ञताज्ञापन

प्रस्तुतशोधपत्र मैले नेपालीविषयको स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि आदरणीय गुरु उपप्राध्यापक राजुमान डङ्गोलको निर्देशनमातयार पारेकीहुँ । उहाँले प्रस्तुतशोधपत्रतयार पार्ने सन्दर्भमा आइपरेका विभिन्न समस्यासँग जुध्ने उत्प्रेरणादिँदै सहीमार्ग प्रदर्शन गराएर आफ्नाकतिपयव्यावहारिक कार्यहरूलाई पन्छाएर कुशल र समुचितदिग्दर्शन गराउनु भएकोमाउहाँप्रति म हार्दिक कृतज्ञता-ज्ञापनगर्दछु । मेरो शोधपत्रलाई विभागीय स्वीकृत प्रदान गरी शोध लेख्ने अवसर प्रदानगर्नु हुने विभागीय प्रमुख प्रा.डा. देवी प्रसाद गौतमका साथै विभागीय अनुसन्धान विशेष समिति प्रति हार्दिक आभार व्यक्तगर्दछु । त्यस्तै शोधपत्रतयार पारुन्जेल विशेष सहयोग र सुझाउ प्रदान गर्नुहुने आदरणीय उपप्राध्यापक लेखराजखतिवडा र सहायक प्राध्यापक नारायण गड्तौला लगायत नेपाली केन्द्रीयविभागका सम्पूर्ण आदरणीय गुरुहरूका साथै सामग्री सङ्कलनमा सहयोग पुर्याइदिने डा. वेञ्जु शर्माप्रतिआभार प्रकटगर्दछु । यसैगरी उपयोगी सामग्रीहरू उपलब्ध गराई सहयोग गर्ने नेपाली केन्द्रीयविभागमा महेश कुमार तिवारीका साथै आवश्यक पुस्तकपत्रपत्रिकाहरू उपलब्ध गराइदिने त्रि.वि. केन्द्रीय पुस्तकालयप्रतिपनिहार्दिक आभार प्रकटगर्दछु ।

सम्पूर्ण आर्थिक र व्यावहारिक समस्याहरूसँग सङ्घर्ष गर्दै आफ्नो अमूल्यश्रम र पसिनाखर्चेर उच्चशिक्षा अध्ययनमा प्रेरित र सहयोग गर्ने मेरा पूजनीमाबुबा, आमा, हजुरबुबा, हजुरआमा तथा भाइ, श्रीमान् र मेरा सम्पूर्ण परिवार जनप्रति म आजीवन ऋणी छु । शोधपत्रलाई छिटो छरिटो टङ्कन गरिदिने सहदेव डेक्स्टप सर्भिस लाई धन्यवाद व्यक्त गर्न चाहन्छु । अन्त्यमा यस शोधपत्रको समुचितमूल्याङ्कनकालागित्रि.वि. नेपाली केन्द्रीयविभागकीर्तिपुर समक्ष पेश गर्दछु ।

निर्मलाकंडेल

नेपाली केन्द्रीयविभाग

कीर्तिपुर

मिति : २०७०।०५।१४

संक्षेपीकृत शब्दसुची

| | | |
|----------------|---|-------------------------------|
| अनु | - | अनुवाद |
| अप्रका | - | अप्रकाशित |
| इ.पू | - | इस्वीपूर्व |
| क्र.सं. | - | क्रमसङ्ख्या |
| चौ. सं. | - | चौथो संस्करण |
| ते.सं. | - | तेस्रो संस्करण |
| दो.सं. | - | दोस्रो संस्करण |
| ए. सं | - | एघारौँ संस्करण |
| ने.के.वि. | - | नेपाली केन्द्रीयविभाग |
| ने.रा.प्र.प्र. | - | नेपाल राजकीयप्रज्ञाप्रतिष्ठान |
| पृ. | - | पृष्ठ |
| रो. ने. ए. | - | रोयल नेपाल एकेडेमी |
| वि.सं. | - | विक्रम संवत् |
| सम्पा. | - | सम्पादक |
| सा.प्र. | - | साभाप्रकाशन |

विषयसूची

| | |
|-----------------------|---|
| शोधनिर्देशकको मन्तव्य | क |
| स्वीकृतिपत्र | ख |
| कृतज्ञताज्ञापन | ग |
| संक्षेपीकृत शब्दसूची | घ |

परिच्छेद-एक

शोध परिचय १-६

| | |
|---------------------------|---|
| १.१ विषय परिचय | १ |
| १.२ समस्याकथन | १ |
| १.३ शोधको उद्देश्य | २ |
| १.४ पूर्वकार्यको समीक्षा | २ |
| १.५ शोधको औचित्य | ४ |
| १.६ शोधको सीमाङ्कन | ५ |
| १.७ शोधविधि | ५ |
| १.७.१. सामग्री सङ्कलनविधि | ५ |
| १.७.२. विश्लेषणको ढाँचा | ५ |
| १.८ शोधपत्रको रूपरेखा | ५ |

परिच्छेद : दुई

नाटकको विधागत स्वरूप ७-२१

| | |
|--|----|
| २.१ विषय परिचय सहनशीला सुशीला सहनशीला सुशीला | ७ |
| २.२ नाटकको परिचय र परिभाषा | ७ |
| २.२.१ कथानक | ८ |
| २.२.२ चरित्रचित्रण | ९ |
| २.२.३ परिवेश | १० |
| २.२.४ उद्देश्य | ११ |
| २.२.५ संरचना | ११ |
| २.२.६ अभिनयपक्ष | १२ |
| २.२.७ भाषाशैलीयविन्यास | १२ |

| | | |
|---------|--|----|
| २.२ | नेपालीनाट्यपरम्परा | १३ |
| २.२.१ | नेपालीनाटकको पृष्ठभूमिकाल | १४ |
| २.२.१ | नेपालीनाटकको प्राथमिककाल | १५ |
| २.२.२ | नेपालीनाटकको माध्यमिककाल | १५ |
| २.२.३ | नेपालीनाटकको आधुनिककाल (वि.सं. १९८६ यता) | १७ |
| २.२.३.१ | आदर्शोन्मुख यथार्थवादीधारा | १७ |
| २.२.३.२ | यथार्थवादीधारा | १९ |
| २.२.३.३ | प्रयोगवादीधारा | २० |
| २.२.३.४ | समसामयिकधारा | २० |
| २.३ | निष्कर्ष | २१ |

परिच्छेद : तिन

| | | |
|---------|---|-------|
| | नाटककार भीम निधि तिवारीको जीवनी, व्यक्तित्व र नाट्यकारिता | २२-३३ |
| ३.१ | भीमनिधितिवारीको सङ्क्षिप्तजीवनी | २२ |
| ३.१.१ | जन्म र शिक्षा | २२ |
| ३.१.२ | लेखनकालागि प्रेरणा र प्रभाव | २३ |
| ३.१.३ | स्वभाव | २३ |
| ३.१.४ | भ्रमण र सम्मान | २३ |
| ३.१.५ | देहावसान | २४ |
| ३.२ | तिवारीको बहुआयामिकव्यक्तित्व | २४ |
| ३.२.१ | साहित्येतर व्यक्तित्व | २४ |
| ३.२.१.१ | सामाजिकव्यक्तित्व | २४ |
| ३.२.१.२ | सङ्गीतकार व्यक्तित्व | २५ |
| ३.२.२. | साहित्यिकव्यक्तित्व | २५ |
| ३.२.२.१ | गजलकार व्यक्तित्व | २४ |
| ३.२.२.२ | कविव्यक्तित्व | २४ |
| ३.२.२.३ | एकाङ्कीकार व्यक्तित्व | २४ |
| ३.२.२.४ | प्रबन्धकार व्यक्तित्व | २६ |
| ३.२.२.५ | कथाकार व्यक्तित्व | २६ |

| | |
|--------------------------------------|----|
| ३.२.२.६ भजनकार व्यक्तित्व | २६ |
| ३.२.२.७ उपन्यासकार व्यक्तित्व | २६ |
| ३.२.२.८ आत्मजीवनीकार व्यक्तित्व | २६ |
| ३.२.२.९ नाटककार व्यक्तित्व | २७ |
| ३.३ भीम निधि तिवारीको नाट्यप्रवृत्ति | २९ |
| ३.३.१ विषयवस्तुगत प्रवृत्ति | २९ |
| ३.३.२ पात्रगतप्रवृत्ति | ३० |
| ३.३.३ संरचनागतप्रवृत्ति | ३१ |
| ३.३.४ शैलीगतप्रवृत्ति | ३१ |
| ३.३.५ भाव र विचारगतप्रवृत्ति | ३१ |
| ३.३.६ रङ्गमञ्चीयप्रवृत्ति | ३१ |
| ३.४ निष्कर्ष | ३२ |

परिच्छेद : चार

| | |
|-----------------------------|-------|
| सहनशीला सुशीलानाटकको अध्ययन | ३३-५४ |
| ४.१. विषय परिचय | ३३ |
| ४.२.१ कथानक | ३३ |
| ४.२.२ चरित्रचित्रण | ३६ |
| ४.२.२.१ प्रमुखपात्रहरू | ३७ |
| ४.२.२.२ सहायकपात्र | ४२ |
| ४.२.३.३ गौणपात्र | ४४ |
| ४.२.३ परिवेश | ४७ |
| ४.२.४ उद्देश्य | ४९ |
| ४.२.५ संरचना | ५० |
| ४.२.६ अभिनय | ५१ |
| ४.२.७ भाषाशैलीयविन्यास | ५३ |
| ४.३ निष्कर्ष | ५४ |

परिच्छेदपाँच

उपसंहार तथा निष्कर्ष

५५-५८

५.१ उपसंहार

५५

५.२ निष्कर्ष

५६

सन्दर्भसूची ५९-६०